

(b) whether any such appointment or nomination was made by Government some time in May, 1962 to the Advisory Committee of Mewar Textile Mills Ltd., Bhilwara;

(c) whether it is a fact that the Rajasthan State Government did not allow the nominee of the Central Government to attend a meeting of the Advisory Committee held in the beginning of June, 1962; and

(d) if so, reasons therefor and the action taken by Government in the matter?

**The Minister of International Trade in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Manubhai Shah):** (a) No, Sir.

(b) to (d). A nomination of a new member was made in May, 1962, and the matter is still under correspondence with the State Government.

**मध्य प्रदेश के बस्तर जिले में केन्द्रीय परियोजनायें**

३४७६. श्री लखमू भवानी : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि मध्य प्रदेश के बस्तर जिले में कितनी केन्द्रीय परियोजनाओं पर काम हो रहा है ?

योजना, श्रम तथा रोजगार मंत्री (श्री नन्दा) : सूचना उपलब्ध नहीं है और जैसे ही एकत्रित होगी दे दी जायगी ।

**दण्डकारण्य परियोजना**

३४८०. श्री लखमू भवानी : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दण्डकारण्य परियोजना पर मन् १९५८ से १९६१-६२ तक कितनी राशि खर्च हुई ; और

(ख) इन में से बस्तर जिले में कितनी राशि खर्च हुई और कोरापुट जिले में कितनी

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्ध लम्बा) : (क) १९५७-५८ से १९६१-६२ तक लगभग १२.१७ करोड़ रुपये ।

(ख) बस्तर और कोरापुट जिलों के बारे में पृथक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।

**दण्डकारण्य परियोजना**

३४८१. श्री लखमू भवानी : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दण्डकारण्य परियोजना में मध्य प्रदेश और उड़ीसा सरकार में कितने व्यक्ति नियुक्त हैं ; और

(ख) इनमें तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कितने कर्मचारी हैं ?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्ध लम्बा) : (क) और (ख) जानकारी एकत्रित की जा रही है और उपलब्ध होने पर सभा की मेज पर रख दी जायगी ।

**दण्डकारण्य परियोजना**

३४८२. श्री लखमू भवानी : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दण्डकारण्य परियोजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश और उड़ीसा सरकार द्वारा कितने एकड़ जमीन प्रदान की गई है ;

(ख) इन में से कितनी जमीन आदिवासियों को बस्तर में और उड़ीसा में प्रदान की गई है ; और

(ग) उक्त भूमि पर अब तक कितने आदिवासी बसाय जा चुके हैं ?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्ध लम्बा) : (क) से (ग)

दण्डकारण्य परियोजना के बारे में ३१ मार्च, १९६२ की अवधि तक प्रगति प्रतिवदन दिनांक १ मई, १९६२ जोकि इस सभा के सदस्यों को परिचालित किया गया था उसकी ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

### दण्डकारण्य परियोजना<sup>11</sup>

४८४ श्री लखमू भवानी : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मन् १९५८ में दण्डकारण्य परियोजना के अन्तर्गत मोटर गाड़ियों, ट्रकों आदि पर कितनी राशि अब तक खर्च हुई है ; और

(ख) उक्त अवधि में इन सब में पेट्रोल का कितना खर्च हुआ है ?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) संधारण तथा क्रियाकरण (आप्रगन) को मिलाकर ३१ मार्च, १९६२ तक १.०७ करोड़ रुपये।

(ख) पेट्रोल आदि पर जो खर्च किया गया उसके पृथक आंकड़े उपलब्ध नहीं है

### दण्डकारण्य परियोजना

३४८४. श्री लखमू भवानी : क्या निर्माण, आवास और संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मन् १९५८ में अब तक दण्डकारण्य परियोजना में सरकारी कर्मचारियों के बतन भत्ते, एवं आफिस खर्च में कितनी राशि खर्च हुई है ; और

(ख) सरकारी कर्मचारियों के निये मकान बनाने में कितनी राशि इस परियोजना के अन्तर्गत खर्च हुई है ?

निर्माण, आवास और संभरण मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) और (ख)

से मांगा गई है और प्राप्त होते ही सभा-पटल पर रख दी जायगी।

### Offices in Talkatora Barracks, New Delhi

3485. **Shri P. C. Borooah**: Will the Minister of Works, Housing and Supply be pleased to state:

(a) whether the building of the offices situated in the Talkatora barracks, New Delhi is being repaired;

(b) if so, how old this building is, and whether it is due for demolition in view of the fact that it had outlived its due term;

(c) how much expenditure would be involved in the repairs, shifting and reshifting of the offices housed therein to and from alternative buildings, and in payments of rents etc. for the alternative buildings;

(d) how does this expenditure referred to in part (c) above compare with the original cost of building of the barracks in question;

(e) whether there was a proposal at some stage to replace these barracks by double or multi-storeyed office buildings; and

(f) if so, why the proposal was not carried out?

**The Minister of Works, Housing and Supply (Shri Mehr Chand Khanna)**: (a) to (f). These barracks, built in 1943 at a cost of about Rs. 14.38 lakhs, have outlived their life. Due to acute shortage of accommodation, it has been found necessary to keep them going for sometime more. Repairs are being carried out to these barracks at an estimated cost of Rs. 2.62 lakhs to make safe. No expenditure by way of rents for alternative buildings is involved.

The expenditure to be incurred on shifting of records, etc., is not likely to be of any magnitude.